



25 Nov 2013

11:14 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121025006

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 25/11/2013
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 23:14:00 घंटे
इष्ट _____: 40:55:01 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 22:52:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:13:02 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:12:11 घंटे
सूर्योदय _____: 06:51:59 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:24:18 घंटे
दिनमान _____: 10:32:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 09:33:55 वृश्चिक
लग्न के अंश _____: 29:19:48 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: वैधृति
करण _____: बालव
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: धनु

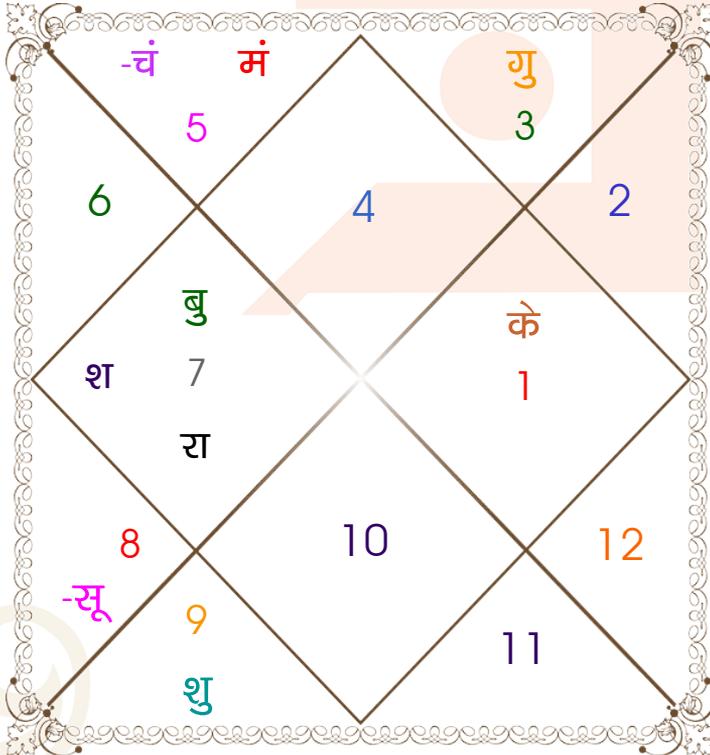
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न		कर्क	29:19:48	310:07:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य		वृश्चि	09:33:55	01:00:42	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र		सिंह	08:45:38	12:10:48	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल		सिंह	29:32:34	00:32:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
बुध		तुला	22:01:48	01:24:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व	मिथु	25:53:21	00:03:38	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		धनु	23:43:32	00:44:32	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि		तुला	22:28:17	00:07:00	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व	तुला	13:21:58	00:00:20	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व	मेष	13:21:58	00:00:20	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व	मीन	14:44:21	00:01:05	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप		कुंभ	08:33:59	00:00:25	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो		धनु	15:59:47	00:01:47	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
दशम भाव		मेष	26:25:54	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

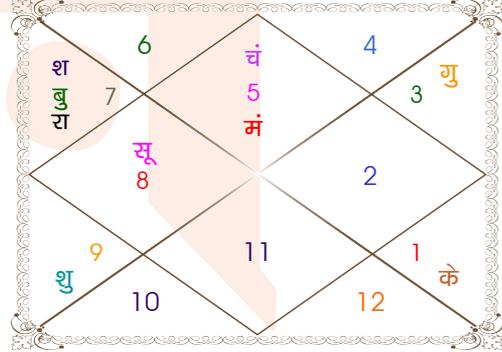
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:14

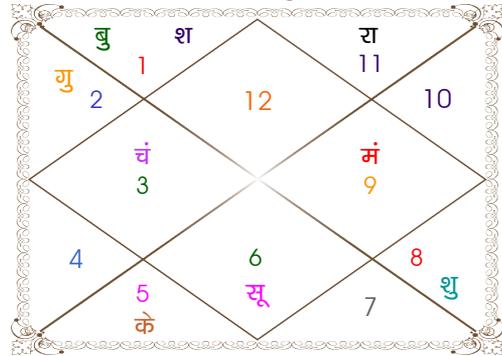
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 4 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
25/11/2013	20/04/2016	20/04/2036	21/04/2042	20/04/2052
20/04/2016	20/04/2036	21/04/2042	20/04/2052	21/04/2059
00/00/0000	शुक्र 21/08/2019	सूर्य 08/08/2036	चंद्र 19/02/2043	मंगल 16/09/2052
00/00/0000	सूर्य 20/08/2020	चंद्र 07/02/2037	मंगल 20/09/2043	राहु 05/10/2053
00/00/0000	चंद्र 21/04/2022	मंगल 14/06/2037	राहु 21/03/2045	गुरु 11/09/2054
00/00/0000	मंगल 21/06/2023	राहु 09/05/2038	गुरु 21/07/2046	शनि 21/10/2055
00/00/0000	राहु 21/06/2026	गुरु 25/02/2039	शनि 19/02/2048	बुध 17/10/2056
25/11/2013	गुरु 19/02/2029	शनि 07/02/2040	बुध 21/07/2049	केतु 15/03/2057
गुरु 15/03/2014	शनि 20/04/2032	बुध 14/12/2040	केतु 19/02/2050	शुक्र 15/05/2058
शनि 24/04/2015	बुध 19/02/2035	केतु 21/04/2041	शुक्र 21/10/2051	सूर्य 20/09/2058
बुध 20/04/2016	केतु 20/04/2036	शुक्र 21/04/2042	सूर्य 20/04/2052	चंद्र 21/04/2059

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
21/04/2059	21/04/2077	21/04/2093	21/04/2112	22/04/2129
21/04/2077	21/04/2093	21/04/2112	22/04/2129	00/00/0000
राहु 01/01/2062	गुरु 09/06/2079	शनि 23/04/2096	बुध 18/09/2114	केतु 18/09/2129
गुरु 27/05/2064	शनि 20/12/2081	बुध 01/01/2099	केतु 15/09/2115	शुक्र 18/11/2130
शनि 03/04/2067	बुध 27/03/2084	केतु 10/02/2100	शुक्र 16/07/2118	सूर्य 26/03/2131
बुध 20/10/2069	केतु 03/03/2085	शुक्र 13/04/2103	सूर्य 23/05/2119	चंद्र 25/10/2131
केतु 08/11/2070	शुक्र 02/11/2087	सूर्य 25/03/2104	चंद्र 21/10/2120	मंगल 22/03/2132
शुक्र 07/11/2073	सूर्य 20/08/2088	चंद्र 24/10/2105	मंगल 18/10/2121	राहु 09/04/2133
सूर्य 02/10/2074	चंद्र 20/12/2089	मंगल 03/12/2106	राहु 07/05/2124	गुरु 26/11/2133
चंद्र 02/04/2076	मंगल 26/11/2090	राहु 09/10/2109	गुरु 12/08/2126	00/00/0000
मंगल 21/04/2077	राहु 21/04/2093	गुरु 21/04/2112	शनि 22/04/2129	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 4 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेंगे यह आप ही जानते हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता हैं तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करें। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर हैं। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।

